

## तरंगा हलि-अंबाजी- आबू रोड

हाल ही में आरथिक मामलों की मंत्रमिंडलीय समति ने तरंगा हलि-अंबाजी-आबू रोड नई रेल लाइन के नियमान को मंजूरी दी।

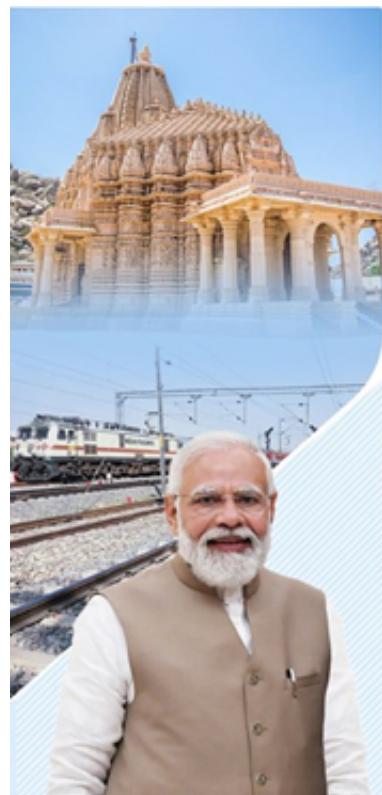
### मुख्य बहु:

#### परचियः

- नई रेल लाइन की कुल लंबाई 116.65 किलोमीटर होगी।
- यह परियोजना वर्ष 2026-27 तक पूरी हो जाएगी। परियोजना नियमान के दौरान लगभग 40 लाख मानव दविसों के लिये प्रत्यक्ष रोजगार पैदा करेगी।
- यह मारग राजस्थान के सरिही ज़िले और गुजरात के बनासकांठा तथा मेहसाणा ज़िलों से होकर गुजरेगी।

#### महत्वः

- यह कनेक्टिविटी को बढ़ाएगी और गतशिलता में सुधार करेगी जिससे इस क्षेत्र का समग्र सामाजिक-आरथिक विकास होगा।
- चूँकि यह महत्वपूर्ण तीरथ स्थलों को जोड़ती है, इसलिये यह लाखों भक्तों को आसान यात्रा की सुविधा प्रदान करेगी।
- यह कृष्ण और स्थानीय सामानों की तीव्र आवाजाही की सुविधा भी प्रदान करेगी, गुजरात और राजस्थान के बीच कनेक्टिविटी को और बढ़ाएगी।
- यह मौजूदा अहमदाबाद-आबू रोड रेलवे लाइन के लिये वैकल्पिक मारग प्रदान करेगी।



### GOVERNMENT APPROVES Taranga Hill-Ambaji-Abu Road New Rail Line Project

#### Improving Connectivity & Mobility

- Famous pilgrimage center Ambaji, one of the 51 Shaktipeeths
- Connectivity to Ajitnath Jain Temple at Taranga Hill
- Easy access for millions of devotees
- Boost to religious tourism in Rajasthan & Gujarat

#NayiPatriNayiRaftaar

### तीरथ स्थलः

- अंबाजी गुजरात में स्थित एक प्रसिद्ध तीरथ मंदिर स्थल है, जो 51 शक्तिपीठों में शामिल है।
- यहाँ प्रत्यक्ष गुजरात के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों और विदेशों से लाखों भक्त आते हैं। इसलिये यह रेल लाइन इन लाखों भक्तों के लिये आसान यात्रा की सुविधा प्रदान करेगी।

- इसके अलावा तरंगा हिल स्थिति अजीतनाथ जैन मंदिर (24 पवित्र जैन तीरथंकरों में से एक) के दर्शन करने वाले शरदधालु भी इस रेल लाइन से काफी लाभान्वति होंगे।
  - तरंगा हिल-अंबाजी-आबू रोड के बीच यह नई रेलवे लाइन इन दो महत्त्वपूर्ण धार्मिक खेलों को रेलवे के मुख्य नेटवर्क से जोड़ेगी।

**स्रोत: पी.आई.बी.**

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/taranga-hill-ambaji-abu-road>

